बीइंग धोनी

अ ग्रेट लीडर

महेंद्र सिंह धोनी

बीइंग धोनी
अ ग्रेट लीडर

महेंद्र सिंह धोनी

क्रिकेटर

अगस्त **2019**

-साहित्य चिंतन

विषय - सूची

धोनी - परिचय

जन्म और बचपन के दिन

पर्सनल लाइफ और शादी

शुरुआती सफ़र

धोनी रणजी ट्रॉफी में

शानदार करियर

जीवन का यू-टर्न, रेलवे में नौकरी

दुलीप ट्राफी में नहीं खेल पाए

जीत से पहले लंबा अभ्यास

कप्तानी में सचिन और द्रविड़ का अहम रोल

वन डे मैच में शानदार प्रदर्शन

टेस्ट करियर

टी-20 मैच करियर

अवाड्र्स एंड अचीवमेंट

अब रिटायरमेंट की तैयारी

धोनी - द अनटॉल्ड स्टोरी(बायोपिक)

लेफ्टिनेंट कर्नल MS Dhoni

लाइफ लेसंस फॉर अस

धोनी - परिचय

Mahendra Singh Dhoni को उभरे हुए cricketer के रूप में विश्व भर में कौन नहीं जानता। वे एम एस धोनी के नाम से भी मशहूर हैं उन्होनें क्रिकेट जगत में India का नाम बखूबी रोशन किया है। छोटे से शहर से निकलकर एक महान cricketer का खिताब जीतने का सफर आसान नहीं था। एमएस धोनी ने अपने जीवन में काफी struggle किया और आज वे इस मुकाम पर पहुंचे हैं और world में उन्होनें अपनी एक अलग पहचान बनाई है। धोनी दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उन्हें क्रिकेट के इतिहास में किसी भी अन्य captain की तुलना में सबसे अधिक सफल captain के रूप में जाना जाता है।

अपने महान नेतृत्व कौशल का परीक्षण करने के लिए, उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के रूप में कार्य किया; हालाँकि, उन्होंने 2007 से 2016 तक केवल सीमित ओवरों में टीम की कप्तानी की और 2008 से 2014 तक टेस्ट क्रिकेट में। अपने शानदार विकेट-कीपिंग skills के लिए भी जाने जाते हैं, वो हमेशा ही कठिन परिस्थितियों में भी भारतीय टीम के लिए एक बेशकीमती leader रहे हैं। उन्हें आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक के रूप में जाना जाता है।

जन्म और बचपन के दिन

महेंद्र सिंह धोनी का जन्म झारखण्ड के रांची में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम पान सिंह व माता श्रीमती देवकी देवी है। उनके पैतृक गाँव, लावली Uttarakhand के अल्मोरा जिले में है। उनके माता पिता उत्तराखंड से Ranchi चले आए जहाँ उनके पिताजी श्री पान सिंह मेकोन कंपनी के जूनियर मैनेजमेंट वर्ग में work करने लगे। रांची में उनकी family को रहने के लिए Governament Quarter मिला था। धोनी की माता देवकी देवी एक साधारण गृहिणी थीं। धोनी की एक बहन है जिनका नाम है Jayanti और एक भाई है जिनका नाम Narendra है। धोनी का बडा भाई Narendra Singh राजनीति में कार्यरत है और उनकी बहन जयंती गुप्ता एक शिक्षिका है। पहले धोनी के बाल लम्बे हुआ करते थे जो अब उन्होंने कटवा दिए हैं। वे अपने पसंदीदा बॉलीवूड स्टार जॉन अब्राहम जैसे दिखना चाहते थे। धोनी एडम गिलक्रिस्ट के प्रशंसक है।

धोनी The AV Jawahar Vidyalaya Mandir, श्यामली (वर्तमान में जे वी एम, श्यामली, रांची के नाम से जाना जाता है) में पढ़ते थे। धोनी को बैडमिंटन और फुटबॉल इन दोनों games में विशेष रुचि थी। Interschool championship में धोनी ने इन दोनों खेलों में स्कूल का प्रतिनिधित्व किया था। जहां उन्होंने बैडमिंटन व फुटबॉल में अपना अच्छा प्रदर्शन दिखाया जिस कारण वे जिला व club level में चुने गए थे। धोनी अपने फुटबॉल टीम के गोलकीपर भी रहे चुके हैं। उन्हें लोकल क्रिकेट क्लब में क्रिकेट खेलने के लिए उनके Football Coach ने भेजा था। हालांकि उसने कभी क्रिकेट नहीं खेला था, फ़िर भी धोनी ने अपने विकेट-कीपिंग के कौशल से सबको प्रभावित किया और कमांडो क्रिकेट क्लब के विकेट कीपर बने। दसवीं कक्षा के बाद ही धोनी ने क्रिकेट की ओर विशेष ध्यान दिया और बाद में वे एक अच्छे क्रिकेटर बनकर उभरे।

पर्सनल लाइफ और शादी

धोनी की personal life में कई दोस्त हैं जो कि उनके childhoood friend हैं। उनके एक दोस्त ने ही उन्हें helicopter shot खेलना सिखाया था। धोनी को International debut के बाद एक लड़की से प्यार हुआ, कुछ समय की relationship के बाद उसकी एक कार एक्सीडेंट में death हो गयी थी। फिल्म एम.एस.धोनी में बताया गया है कि धोनी और साक्षी एक hotel में मिले थे। असल में यह सच नहीं है। सच यह है की धोनी और साक्षी के पापा दोनों एक ही company में काम करते थे।

interesting बात तो ये है की Sakshi और Dhoni एक ही school में भी पढ़े हुए है पर जिस समय धोनी स्कूल छोड़ चुके थे उस समय साक्षी ने स्कूल में admission लिया था। जिससे धोनी स्कूल में साक्षी को मिल नहीं पाए। कुछ समय बाद साक्षी की family रांची छोड़कर देहरादून चली गई। देहरादून में Sakshi के दादा-दादी पहले से ही रहते थे। जब धोनी का सिलेक्शन टीम India में हुआ था। उस समय नवम्बर-दिसंबर 2007 में टीम Kolkata में पाकिस्तान के खिलाफ खेल रही थी। धोनी की मुलाक़ात साक्षी से कोलकाता में ही हुई थी। उस समय भारतीय टीम एक hotel में ठहरी थी जहाँ पर साक्षी की मुलाक़ात धोनी से हुई। साक्षी को धोनी से introduce कराने वाली होटल की मेनेजर थी।

जिस दिन धोनी और साक्षी मिले वो दिन साक्षी का hotel internship का आखिरी दिन था जब साक्षी hotel छोड़ कर चली गयी तब धोनी ने manager से साक्षी का नम्बर ले कर उन्हें message किये। Sakshi को लगा की कोई उनसे मज़ाक कर रहा है। उन्हें तब पता चला की ये असल में Dhoni ही हैं और अब भारतीय क्रिकेट टीम के Captain बन चुके है तो उन्हें अपने आप पर भरोसा ही नहीं हुआ कि धोनी ने ही उन्हें message किये हैं। साक्षी को 2-3 महीने तक बात करने के बाद धोनी और साक्षी दोनों एक दुसरे को date करने लगे और साल 2010 में दोनों ने शादी कर ली। Dhoni की एक बेटी भी है - ज़ीवा, जो की अभी 4 साल की है।

शुरुआती सफ़र

धोनी ने अपने career की शुरुआत 1998 में बिहार Under-19 टीम के लिए खेलकर की थी। वह सीके नायडू ट्रॉफी टीम के लिए East zone under-19 के लिए भी खेले। वर्ष 1999-2000 में उन्होंने Ranjee Trophy में बिहार के लिए शुरुआत की। वर्ष 2002–03 के सीज़न में धोनी के प्रदर्शन में Ranjee Trophy में तीन अर्धशतक और Devdhar trophy में एक अर्धशतक शामिल थे क्योंकि उन्होंने अपने निचले क्रम के योगदान के साथ-साथ कड़ी मेहनत की Batting के लिए पहचान हासिल करना शुरू किया। Devdhar trophy, Dulip trophy और केन्या के भारत दौरे में उनके शानदार performance से उन्होंने राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ताओं का Attention अपनी ओर खींचा। धोनी की प्रतिभा को बीसीसीआई की छोटे शहर की स्किल-स्पॉटिंग पहल talent resource development wing के माध्यम से खोजा गया था।

धोनी को TRDO प्रकाश पोददार ने खोजा था जिन्होंने 2003 में जमशेदपुर के एक match में धोनी को झारखंड के लिए खेलते हुए देखा और फिर राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी को एक report भेजी। उन्हें 2003-04 सीज़न में विशेष रूप से oneday match में सर्वश्रेष्ठ विकेट कीपिंग में उनके efforts के लिए पहचाना गया था और उन्हें जिम्बाब्वे और केन्या के दौरे के लिए Indian Team के लिए चुना गया था। तब से, महेंद्र सिंह धोनी ने Cricket में एक लंबा सफर तय किया है। बल्ले के साथ उनके शानदार performance ने भारत को कई कठिन परिस्थितियों से बचाया है। अपने शानदार करियर में Dhoni ने वर्ष 2013 Chennai में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 224 रन बनाने के साथ 4876 रन बनाए और कुल 90 टेस्ट match खेले हैं। Stump के पीछे उनके अद्भुत आँकड़ों में 256 कैच और 38 stump शामिल हैं।

धोनी रणजी ट्रॉफी में

महेंद्र सिंह धोनी को 1999 - 2000 सीज़न के दौरान Ranjee trophy में खेलने का अवसर मिला तब वो 18 year old थे। यह रणजी ट्रॉफी मैच बिहार की तरफ से असम Cricket team के खिलाफ खेला गया था। इस मैच की दूसरी Innings में महेंद्र सिंह धोनी ने नाबाद 68 रन बनाये। उन्होनें अगले season में बंगाल के खिलाफ match खेला था जिसमें उन्होनें शतक मारा था लेकिन फिर भी उनकी टीम ये match हार गई थी। इस ट्रॉफी के इस सत्र में इन्होनें कुल 5 मैचों में 283 रन बनाए थे। इस trophy के बाद धोनी ने अन्य और घरेलू मैच भी खेले थे।

शानदार करियर

Oneday series में, धोनी ने अब तक 265 match खेले हैं, जिसमें 8620 run बनाए हैं, जिसमें उनका highest score वर्ष 2005-2006 में 145 balls पर 183 run की तूफानी पारी के रूप में श्रीलंका के खिलाफ Jaipur में रहा। धोनी ने highest score कुल 346 के साथ series समाप्त की और उनके प्रयासों के लिए 'Man Of The Series' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिसंबर 2005 में धोनी को BCCI द्वारा बी-ग्रेड अनुबंध से पुरस्कृत किया गया था। उनके oneday विकेट कीपिंग के आंकड़ों में 246 कैच और 85 stumping शामिल है।

धोनी ने 2007 में ICC क्रिकेट world cup की शुरुआत की और भारत के जल्दी बाहर होने के कारण केवल तीन match खेले। भारत ने उनकी कप्तानी में 2007 ICC World T20 और 2011 आईसीसी क्रिकेट world cup जीता। भारत क्रमशः Quarter final और semi final में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान पर जीत के साथ आईसीसी विश्व कप 2011 में final में पहुंचा। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 275 runs के लक्ष्य का पीछा करते हुए, धोनी ने गौतम गंभीर के साथ अपनी team को बचाया और बाद में युवराज सिंह ने 1983 के बाद से भारत को अपना दूसरा world cup खिताब दिलाने में मदद की। उन्होंने 91 रन बनाए जो एक ऐतिहासिक six के साथ समाप्त हुआ और 'Man Of The Match' पुरस्कार जीता। वह आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में चेन्नई सुपर किंग्स टीम के captain भी रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने दो IPL खिताब जीते हैं और 2010 में Champions league T20 भी जीता है।

2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती और सभी आईसीसी trophy का दावा करने वाले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहले और एकमात्र captain बने। नवंबर 2013 में, धोनी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1,000 या अधिक one day रन बनाने के लिए सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे भारतीय batsman बन गए। 2015 के क्रिकेट world cup के दौरान, धोनी ऐसे टूर्नामेंट में सभी ग्रुप स्टेज match जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान बने। अप्रैल 2019 में, उन्हें 2019 क्रिकेट विश्व कप के लिए भारत के team में नामित किया गया था। धोनी भारत के पहले ट्वेंटी 20 अंतरराष्ट्रीय match का हिस्सा भी रहे थे।

जीवन का यू-टर्न, रेलवे में नौकरी

धोनी के बेहतरीन प्रदर्शन के बाबजूद भी उनका चयन selecter की तरफ से नहीं किया गया था जिसकी वजह से धोनी ने game से दूरी बना ली और Indian railway में नौकरी करने का फैसला लिया। 20 साल की उम्र में, उन्हें Sports quota के माध्यम से खड़गपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेवलिंग टिकट परीक्षक (TTE) के पद पर नौकरी मिल गई और वे पश्चिम बंगाल के Midnapur चले गए। उन्होंने 2001 से 2003 तक Railway employee के रूप में काम किया। क्योंकि धोनी का मन तो बचपन से ही games में था इसलिए वे ज्यादा दिन तक job continue नहीं रख सके।

दुलीप ट्राफी में नहीं खेल पाए

साल 2001 में महेंद्र सिंह धोनी का पूर्वी क्षेत्र से Duleep Trophy खेलने के लिए चयन हुआ। लेकिन इसकी जानकारी Bihar Cricket Association धोनी को समय पर नहीं दे सका क्योंकि वे उस समय पश्चिम बंगाल के Midnapur में थे। धोनी को इस trophy की जानकारी तब मिली जब उनकी team पहले ही अगरताला पहुंच चुकी थी क्यूँकि ये match अगरताला में ही खेला जाना था। हालांकि MS Dhoni के एक दोस्त ने कोलकाता एयरपोर्ट से flight पकड़ने के लिए एक car का इंतजाम करवाया लेकिन आधे रास्तें में car भी खराब हो गई जिसके बाद इस मैच को देवदास गुप्ता ने wicket keeper बनकर खेला। यह धोनी के दोस्त Paramjeet Singh (छोटू भैया) थे, जिन्हें सबसे पहले association से खबर मिली और match शुरू होने से पहले 20 घंटे पहले उन्होंने पैसा इकट्ठा किया और एक किराये की car की और चल दिए अपनी मंज़िल की ओर। उस car में अन्य दोस्त गौतम गुप्ता भी थे।

जीत से पहले लंबा अभ्यास

महेंद्र सिंह धोनी ने अपने school टाइम से ही cricket खेलना शुरु कर दिया था लेकिन Indian Team का हिस्सा बनने में उन्हें कई साल लग गए। लेकिन जब Dhoni को हमारे देश की तरफ से खेलने का मौका मिला, तो इन्होनें इस मौके का बखूबी इस्तेमाल किया और धीरे-धीरे खुद को Cricket की दुनिया में स्थापित कर लिया। अपने शुरूआती career में अंडर 19 टीम में मौक़ा न पाने की निष्फलता ने उन्हें demotivate नहीं किया। धोनी ने करीब 18 वर्ष की उम्र में फर्स्ट क्लास Cricket खेलना शुरू किया था और उन्हें 23 वर्ष की उम्र तक International Cricket में जगह नहीं मिली। ऐसी condition में कोई भी हार मान सकता है, लेकिन इन्ही असफलताओं ने Dhoni को मजबूत बनाया। महेंद्र सिंह धोनी की success अपने आप में एक मिशाल है। एक सफल captain के रूप में हर भारतवासी उन्हें प्यार करता है।

कुछ साल पहले ही Dhoni की जिंदगी पर बनी film 'एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' आई, जिसमें दिखलाया गया था कि उनकी जिंदगी शुरुआत से ही इतनी easy नहीं थी, बल्कि उसके लिए उन्होंने लंबा struggle किया। किस तरह एक middle class लड़का नौकरी और रोजगार के चक्करों में उलझकर अपनी राह से भटक जाता है किन्तु अपनी लगन से वह वापस filed पे आ जाता है, यह धोनी की biopic में सुन्दर ढंग से दर्शाया गया है। भारतीय क्रिकेट में तमाम खिलाड़ी आएँगे और जाएँगे, पर Cricket के तमाम फोर्मेट्स में धोनी ने इंडियन क्रिकेट टीम को निर्विवाद रुप से जिस तरह top पर बनाए रखा है, वह आने वाले Cricket खिलाड़ियों और कप्तानों को लंबे समय तक challenge देता रहेगा! धोनी ने अपने जीवन में कई बार असफलताओं को face किया, लेकिन हर बार उन्होंने असफलता को सकारात्मक रूप से accept किया। वे मानते है कि हर निष्फलता कुछ नई opportunity देती है।

कप्तानी में सचिन और द्रविड़ का अहम रोल

जब महेंद्र सिंह धोनी को captain बनाया गया था उससे पहले भारतीय टीम की जिम्मेदारी Rahul Dravid संभाल रहे थे। वहीं जब Rahul Dravid ने अपने पद को छोड़ दिया था, तो उनकी जगह भारत का अगला captain धोनी को चुना गया था। महेंद्र सिंह धोनी को captain बनाने में Rahul Dravid और Sachin Tendulkar का बहुत बड़ा हाथ था। धोनी को भारतीय team की कप्तानी दिलवाने के लिए राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर ने BCCI से बात की थी जिसके बाद BCCI ने धोनी को साल 2007 में भारतीय टीम का captain बनाया था। यही नहीं महेंद्र सिंह धोनी की गिनती अब Best Cricketers में की जाती है जिन्होनें सीमित ओवरों में भी भारतीय टीम की अच्छी leadership की। Dhoni ने 11 सितंबर 2007 से 4 जनवरी 2017 तक Indian Cricket Team में कप्तानी निभाई और 2008 से 28 दिसंबर 2014 तक Test Cricket Team में कप्तान रहे। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी के दौरान कुल 27 test match हुए थे जिसमें धोनी के नाम सबसे सफल भारतीय टेस्ट क्रिकेट कप्तान होने का record दर्ज है।

वन डे मैच में शानदार प्रदर्शन

- धोनी द्धारा खेले गए oneday match – 318
- कुल खेंली गईं innings – 272
- वन डे match में बनाए गए कुल run – 9967
- Oneday match में लगाए गए कुल चौके – 770
- Oneday match में लगाए गए छक्के – 217
- Oneday match में बनाए गए कुल शतक – 10
- Oneday match में बनाए गए कुल अर्ध शतक – 67

टेस्ट करियर

- धोनी द्धारा खेले गए कुल test match – 90
- कुल खेली गईं Innings – 144
- Test match में बनाए गए कुल run – 4876
- Test match में लगाए गए total चौके – 544
- Test match में लगाए गए total छक्के – 78
- Test match में बनाए गई total शतक – 6
- Test match में बनाए गए दोहरे शतक – 1
- Test match में बनाए गए कुल अर्ध शतक – 33

टी-20 मैच करियर

- धोनी द्धारा खेले गए कुल T-20 match -89
- कुल run – 1444
- Total चौके – 101
- Total छक्के – 46
- Total शतक – 0
- Total अर्ध शतक – 2

अवाड्र्स एंड अचीवमेंट

राष्ट्रीय सम्मान

- India का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार ‘पद्म भूषण’ 2018 में
- भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार ‘पद्म श्री’ 2009 में
- 2007-08 में ‘राजीव गांधी खेल रत्न’ (खेल में उपलब्धि के लिए भारत का सर्वोच्च सम्मान)

खेल में सम्मान

- 2008, 2009 में ICC ODI ‘प्लेयर ऑफ द ईयर’
- ICC वर्ल्ड ODI XI: 2006, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014 (2009, 2011-2014 कप्तान रहते हुए)
- 2009, 2010, 2013 में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट इलेवन में award
- 2011 में कैस्ट्रोल इंडियन ‘क्रिकेटर ऑफ द ईयर’

अन्य सम्मान और पुरस्कार

- 2006 में एमटीवी ‘यूथ आइकन ऑफ द ईयर’
- 2013 में एलजी ‘पीपल्स च्वाइस अवार्ड’
- अगस्त 2011 में The Montford University द्वारा Doctorate की उपाधि

अब रिटायरमेंट की तैयारी

मेलबर्न में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच draw test के बाद धोनी ने 30 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय test cricket से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने one day और T-20 मैचों पर बेहतर ध्यान केंद्रित करने की इच्छा भी व्यक्त की। हालाँकि 4 जनवरी 2017, को वे भारतीय एकदिवसीय और T20 क्रिकेट टीमों के Captain के पद से हट गए। जून-जुलाई 2019 आईसीसी Cricket विश्व कप में भारत की team से खेले और उन्होंने कहा कि अभी वे retirement के बारे में नहीं सोच रहे हैं BCCI ने भी कहा कि धोनी अभी अच्छे form में हैं और वो जब तक चाहे खेल सकते हैं। BCCI ने धोनी के रिटायरमेंट पर कहा, “India के सबसे महान टेस्ट Captain में से एक जिनके नेतृत्व में भारत टेस्ट ranking में नंबर 1 टीम बनी, एमएस धोनी ने Cricket के सभी प्रारूपों में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। BCCI ने एमएस धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले का सम्मान करते हुए, उन्हें Test Cricket में उनके शानदार योगदान और India का नाम रोशन करने के लिए धन्यवाद दिया।”

धोनी - द अनटॉल्ड स्टोरी(बायोपिक)

धोनी के जीवन पर एक biopic भी बन चुकी है, यह 'नीरज पांडे' द्वारा निर्देशित एक biography फिल्म है। फ़िल्म में सुशांत सिंह राजपूत ने Cricketer महेंद्र सिंह धोनी का किरदार निभाया था। इस film को दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म ने अच्छा business भी किया। फिल्म को मिली प्रशंसा के बाद इसे कुछ राज्यों में tax free भी कर दिया गया था। फिल्म में दिखाया गया कि पहले महेंद्र सिंह धोनी स्कूल Football Team में गोलकीपर थे। एक स्कूल Cricket coach धोनी को अपनी क्रिकेट टीम में शामिल होने के लिए कहते हैं और दो घंटे रोज़ाना practice करने के लिए कहते हैं, समय बीता और धोनी एक बड़े राज्य स्तर के Cricketer बन जाते हैं, लेकिन इसके बाद लंबे समय तक उनकी किस्मत ने साथ नहीं दिया और उनका Indian Cricket Team का सदस्य बनने का सपना अधूरा रह गया। इसके बाद धोनी Indian Railway में टिकट चेकर के रूप में नौकरी करते हैं और 4 साल के लंबे इंतजार के बाद Railway के लिए क्रिकेट खेलते हैं और फिर उन्हें भारतीय Cricket टीम में चुना जाता है और वो आगे जाकर भारतीय क्रिकेट के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट Captain बन गए।

लेफ्टिनेंट कर्नल **MS Dhoni**

धोनी को Perachute Regiment (106 पैरा टीए बटालियन) की प्रादेशिक सेना इकाई में लेफ्टिनेंट कर्नल की rank मिली है। यह एक सम्मान है जिसे उन्हें 1 November 2011 को सेना द्वारा दिया गया था। धोनी को यह सम्मान Abhinav Bindra और Deepak Rao के साथ दिया गया था। MS धोनी के पास 106 वीं इन्फैंट्री बटालियन टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की rank है। आगरा प्रशिक्षण शिविर में भारतीय सेना के विमान से पांच parachute प्रशिक्षण कूद पूरी करने के बाद 2015 में धोनी एक योग्य Peratrooper बन गए।

धोनी को कई मौकों पर सेना की dress में देखा गया है। हाल के विश्व कप में, उनके विकेटकीपिंग gloves पर एक 'सैन्य लोगो' को लेकर विवाद हुआ था, जिसे ICC ने हटा दिया था। जब उन्हें 2011 में Leftinent Colonel की रैंक दी गई थी, तो धोनी ने कहा था, "बचपन से ही मैं Army में शामिल होना चाहता था। मैं Cantt area में घूमने जाता रहता था और Soldiers को देखकर मुझे लगता था कि एक दिन मैं भी उनमें से एक बनूँगा।" Indian Team के साथ अपने भविष्य को लेकर अटकलों के बीच, धोनी के लंबे समय के दोस्त ने को कहा कि उनकी तुरंत retire होने की कोई योजना नहीं है।

लाइफ लेसंस फॉर अस

धोनी की life में काफी ऐसी चीजें हैं जिन्हे हम भी अपनी life में अपनाकर आगे बढ़ सकते हैं, जानते हैं धोनी से कुछ life lessons -

- हमेशा humble रहें और learning बंद न करें - धोनी की बहुत कम उम्र से ही एक आक्रामक batsman के रूप में image थी, लेकिन उन्होंने कभी भी सीखना नहीं बंद किया। उन्होंने अपने एक दोस्त से ही Helicopter shot सीखा, जो बाद में कैप्टन कूल का Trademark Shot बन गया।

- अपने opponents या बाधाओं को खुद पर हावी न होने दें - पंजाब के खिलाफ खेलते हुए, Yuvraj Singh ने 300 से अधिक रनों की विस्फोटक पारी खेली, जो कि धोनी की पूरी team की तुलना से अधिक थी। Dhoni युवी के कौशल से प्रभावित थे लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि match शुरू होने से पहले ही वे हार गए, यह सब उन्होंने Yuvraj का team पर असर कम करने के लिए किया।

- अपनी विफलताओं को स्वीकार करें और उनसे सीखें - धोनी अपने school में एक Cricket सनसनी थे और हर कोई उनकी प्रशंसा करता था। हालाँकि, जब उन्होंने U-19 team में जगह नहीं बनाई, तो उनके आस-पास के सभी लोग demotivate हो गए थे, लेकिन धोनी ने एक party देने का फैसला किया। क्यूँ? हार पर कैसी पार्टी? क्योंकि वो समझ चुके थे कि वे अभी कितने पानी में हैं और जहाँ पहुँचना चाहते हैं उसके लिए कितना hardwork करना होगा।

- Hardwork से कभी भी पीछे न हटें - Dhoni 3 घंटे की लंबी परीक्षा को अपने club के साथ practice करने के लिए केवल 2 घंटे 30 मिनट में समाप्त कर देते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई और अपने जुनून को एक साथ balance किया। पूर्णकालिक नौकरी पाने के बाद भी, उन्होंने कभी भी practice session नहीं छोड़ा।

- हमेशा बड़ा सपना देखें - धोनी के पिता एक pump operater थे। जब धोनी को railway में नौकरी मिली, तो वे खुश थे। लेकिन, धोनी का एक बड़ा dream था, एक सपना जिसने उन्हें भारत का सबसे महान Cricket कप्तान बनाया। जैसे वे कहते हैं - सितारों पर पहुँचने का लक्ष्य करें और क्या पता, Moon से टकरा सकते हैं।

- हमेशा आपको अपने माता-पिता की बात नहीं माननी चाहिए - एक बच्चे के रूप में, Dhoni को उनके पिता हमेशा कहते थे, "खेल-कूद अपनी जगह है, लेकिन पढ़ोगे लिखोगे तो किसी लायक बनोगे" जब धोनी को Indian Railway से नौकरी का प्रस्ताव मिला, तो उनके पिताजी बहुत खुश थे और MSD ने अपने

पिता को खुश करने के लिए नौकरी ली। लेकिन, जब उन्होंने महसूस किया कि एक TTI की नौकरी उनके लिए है, तो उन्होंने अपने पिता के विरोध के बावजूद तुरंत नौकरी छोड़ दी। बाकी आगे history आपके सामने है।

- धीरज रखें, अपना काम जारी रखें - Dhoni ने भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए बहुत मेहनत की, लेकिन शुरुआत में काफी problems आई। वो भी अपने जीवन में निराश हुए, लेकिन हार नहीं मानी। तब तक चलते रहे जब तक कि success तक नहीं पहुँचे।

- यदि कुछ असाधारण हासिल करना है तो continue hardwork करना होगा - धोनी के पास एक स्थाई Governament नौकरी थी। उनका परिवार खुश था और वह एक साधारण life भी जी सकते थे। लेकिन, उन्होंने इसके बजाय अपने passion की सुनी और risk उठाया क्योंकि वह ऐसी life नहीं जीना चाहते थे।

- हमेशा अपने heart की सुने, दूसरे लोग क्या कहेंगे, इसकी परवाह ना करें - वही करें जो आपको happy करता है। Dhoni ने कभी इस बात की परवाह नहीं की कि लोग क्या कहेंगे। वह Media के हस्तक्षेप के बाद भी calm और निर्विवाद रहे।

- अपने निजी और पेशेवर जीवन को balance रखें - धोनी के जीवन में भी काफी problems आई, लेकिन उन्हें अपने जीवन को balance करना आता है। यह tough है लेकिन अगर आप अपना 100% देना चाहते हैं, तो आपके सोच के स्तर पर एकदम clear होना चाहिए।

- विनम्र और जमीन से जुड़े रहने से आप लंबा सफर तय कर सकते हैं - Dhoni ने कभी भी अपने अंदर Igo को नहीं आने दिया और वो अपनी जड़ों से जुड़े रहे, यह उनकी body language में clearly झलकता है।

- Tough फैसले लेने से पीछे न हटें - भारतीय क्रिकेट टीम एक बदलते दौर से गुजर रही थी और अन्य team के युवा खिलाड़ियों की तुलना में सीनियर खिलाड़ियों की team outdated लग रही थी। धोनी जानते थे कि अगर वे 2011 का world cup जीतना चाहते हैं तो उन्हें एक new टीम की जरूरत है। उन्होंने आगे बढ़कर चयन committe के सामने अपने thoughts रखे। शुरू में ये फैसला सबको गलत लगा लेकिन बाद में काफी अच्छा साबित हुआ।

- अपने अच्छे दोस्तों को ना छोड़ें, वो आपके जीवन के मुख्य हिस्से हैं - Dhoni में प्रतिभा थी, लेकिन talent अकेले उसे शिखर तक ले जाने में सक्षम नहीं थी। Cricket एक ऐसी चीज थी जिसके लिए उनके दोस्तों ने उनकी family से ज्यादा उनका साथ दिया। Dhoni स्टार बनने के बाद भी उन्हें नहीं भूले। आज

भी वो अपने दोस्तों से उतनी ही modesty से मिलते हैं।

- हमेशा सुधार करते रहे - विश्व कप final में भारत एक बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था और जल्दी जल्दी कुछ wicket खोने के बाद, भारत पर pressure बढ़ रहा था लेकिन तभी Dhoni ने एकदम खिलाडियों का खेलने का क्रम बदल दिया। ये example है धोनी के improviser होने का।